

दिनांक 30.09.2019

### प्रकाशनार्थ

### आई.क्यू.ए.सी. द्वारा कार्यशाला का आयोजन

आज दिनांक 30.09.2019 को महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 'शेयरिंग एक्सपियेंस रिगार्डिंग एसेसमेंट एण्ड एक्रिडेसन आफ नैक इन द न्यू फार्मेट' विषय पर किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. नमिता कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर प्राणि विज्ञान, महात्मा गाँधी पी.जी. कालेज, गोरखपुर ने कहा कि नैक में सात क्राइटेरिया होते हैं और इसी क्राइटेरिया के अनुसार एक्टिविटी प्लान करें। उन्होंने आगे कहा कि टीचिंग लर्निंग में अधिक नंबर है। अतः इस पर ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए। हर वर्ष स्वॉट एनालिसिस करना चाहिए। इससे हमारी कमजोरी व स्ट्रेंथ का पता चलता है। आईक्यूएसी का मुख्य उद्देश्य क्वालिटी बढ़ाने की है। हर हफ्ते अपडेट करें वेबसाइट को अपडेट करना आवश्यक है। इन्होंने नैक में आये हुए समस्याओं को साझा किया और उससे कैसे निपटा जा सकता है, इस सम्बन्ध में शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। कमेटी के सदस्यों ने अपने समक्ष उपस्थित समस्याओं से सम्बंधित प्रश्न किये जिसका उत्तर क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा व डॉ. नमिता कुमार द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरखपुर के क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार मिश्रा ने, संचालन आई.क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर डॉ. राजशरण शाही तथा आभार ज्ञापन नैक कोऑर्डिनेटर डॉ. शशिप्रभा सिंह ने किया। कार्यशाला में नैक कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)

सह-प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क